Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding plight of students due to Ukrain War.

श्री गुरजीत सिंह औजला (अमृतसर): धन्यवाद सभापति महोदय । मैं पिछले दिनों यूक्रेन और रूस के युद्ध में हमारे देश के जो विद्यार्थी फंसे थे उनको लेने के लिए पोलैंड गया था । सबसे बड़ी दुख की बात यह है कि हमारा एजुकेशन सिस्टम बहुत नीचे है । हमारे विद्यार्थी एक छोटी-सी कंट्री में एमबीबीएस की एजुकेशन ले रहे हैं । यह बहुत शर्म और दुख की बात है ।

मेरा सरकार से निवेदन है कि इंडिया के एजुकेशन सिस्टम को थोड़ा बढ़िया कीजिए, ताकि विद्यार्थी यहां रह सकें । मैं जब वहां गया था, तो मैंने देखा कि बहुत सारे विद्यार्थी सरहद पार से पैदल आ रहे हैं और उनके पांव सूजे हुए हैं । खारकीव में करीब 1400 विद्यार्थी फंसे हुए थे । वहां मेरे क्षेत्र के काफी विद्यार्थी थे । वहां डॉ. करण संधु और उनकी टीम थी, जिन्होंने नीचे ग्राउंड में काम किया है ।

सर, मेरी यह हम्बल रिक्वेस्ट है कि वहां चार-पांच इंडियन थे, जिन्होंने पूरा राशन दिया, उनके रख-रखाव का प्रबंध किया और उनको वहां से लेकर भी आए, वह बहुत दुखद मंजर था । एक निवेदन यह है कि सरकार उन सभी को बुलाकर सम्मानित करे । दूसरा निवेदन यह है कि हमारे देश के जितने विद्यार्थी हिन्दुस्तान में वापस आ चुके हैं, उनकी मेडिकल पढ़ाई कंटिन्यू रहनी चाहिए । वहां अभी ऑनलाइन क्लासेज शुरू नहीं हो सकती हैं, क्योंकि जंग का माहौल है । मैं सरकार से अनुरोध करता हूं कि उनके पैरेंट्स द्वारा जितने पैसे वहां पे किए जाने थे, उतने पैसे वे देने के लिए तैयार हैं, इसलिए उन विद्यार्थियों की मेडिकल या जो दूसरे कोर्स की पढ़ाई है, उसको सरकार इंडिया में कंटिन्यू कराए । साथ में, कॉलेज में सीटें भी बढ़ाए । इससे आगे आने वाले समय में भी मेडिकल एजुकेशन के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा । इंडिया में ही रहकर पढ़ाई हो सकती है ।

सर, मैं एक और बात कहना चाहता हूं कि इंडिया में मेडिकल की पढ़ाई बहुत महंगी है । उसके ऊपर लगाम लगायी जानी चाहिए । इसमें बहुत बड़ा माफिया शामिल है । कम रेट में लोगों को सीटें दी जानी चाहिए । धन्यवाद ।